Ex-tra An Organisation

Experimental Theatre in Realistic Attitude

ACTION PLAN & REVIEW
2016-17

(in Hindi)

Ex-tra an Organisation
C/O Ajeet Bahadur, 950/625 Mutthiganj,
Allahabad, Uttar Pradesh-211003
E-mail: extraanorganization@yahoo.com
Mo: +91 9695907532/8127254051
www.extran.org

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन

(एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड)

परिचय :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) की नींव कई वर्षों के सघन चर्चा एवं विचारों के संघर्षों से गुज़रते हुए सन 2002 के 23 जनवरी को कलकत्ता में रखी गयी । संस्था की नींव कि सिंचाई में कला एवं रंगमंच कार्यकर्ता, रिक्शा चालक रंगकर्मी साथी –इलाहाबाद, बूट मरम्मत कर्ता रंगकर्मी साथी-कोलकाता एवं रवीद्र भारती विश्वविध्यालय –कोलकाता और भारतेन्दु नाट्य एकेडमी-लखनऊ में अध्ययनरत छात्र रहे हैं । संस्था में शुरू से ही विविध प्रतिभाओं का स्थान रहा है। एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) अपने विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* की संकल्पना के साथ वचनबद्ध रहा है ।

संस्था अपने विज़न की ओर बढने और इसकी प्राप्ति के लिए कला और संस्कृतियों की विविधिता से आभूषित भारत के पारंपरिक कला और यहाँ की संस्कृतियों के आधार पर रंगमंच के नए सौंदर्यशात्रीय प्रतिमान रचने में इसके शोध और खोज में लगातार व्यस्त रहता आ रहा है । इस रंगमंचीय प्रतिमान को समाज में स्थापित करने के लिए हम निरंतर हमारी प्रक्रियामयी प्रस्तुतियों से दर्शक और अभिनेता के बीच की दूरियों को लगातार कम करने की कोशिश में हैं । क्योंकि हमें ऐसा लगता है कि किसी नाटक का उत्पाद मात्र से नहीं बल्कि नाटक और रंगमंच के अंदर व्याप्त जीवन मुखी शाश्वत प्रक्रियाएँ हमें हमारे विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* तक पहुंचा सकेंगी ।

संस्था के मुख्य नाटक जिनकी प्रस्तुति अंतर्राष्ट्रीय महोत्सवों में हुई हैं, जैसे सर्वेश्वर दयाल सक्सेना द्वारा लिखित 'हवालात' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2009, अंतोन चेखोव द्वारा लिखित कहानी 'टेढ़ा दर्पण' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2010 तथा नेशनल थिएटर फेस्टिवल-केरला -2010 में, एवं धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास 'सूरज का सातवाँ घोडा' का मंचन राष्ट्रीय नाट्य विध्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव -2011 दिल्ली एवं चेन्नई भारत रंग महोत्सव में हुए हैं । इसके साथ ही साथ संस्था देश के अलग-अलग हिस्सों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में रंगमंच की टोलियों का निर्माण और कार्य भी कर रही है । संस्था राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने हेतु नई दिल्ली से सन् 2007 के 27 दिसम्बर को एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन' के नाम से रजिस्टर किया गया है ।

दृष्टिकोण :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन का यह मानना है कि भारत की पारंपरिक रंगमंच एवं लोक शैलियों का शोध कर नए अभिनय शैलियों और नाट्य शैलियों के साथ नए सौदर्यशास्त्रीय प्रक्रियाओं का निर्माण करना । यह सौदर्यशास्त्रीय प्रतिमान हमारे विज़न की प्राप्ति का निर्मित होता मार्ग है । इस मार्ग के निर्माण के लिए राष्ट्रीय और इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और रंगकर्मियों तक हमें अपने प्रक्रिया रंगमंच विधियों के साथ पहुँचना और इनका प्रस्तुति परक प्रसार । इस प्रसार के लिए हम अलग –अलग राज्यों के नाट्य एवं कला दलों तथा पारंपरिक संगीत टोलियों तक पहुँच रहे हैं जैसे : बीकानेर, राजस्थान में जन जागृति संस्था जो की एक नाट्य संस्था है , पश्चिम बंगाल के हुगली में आर्ट फ़ाउंडेशन ऑफ द एरा एवं जयपुर के दृश्य कला समूह अरविंद स्टुडियो,सोडाला तथा बीकानेर के सुफी संगीत गायकों के साथ मिल कर हम अपने विज़न को साझा कर रहे हैं, ताकि हम सब के इस विज़न *"संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार"* के गठन की यात्रा में कला अपने कार्यवाहकों के साथ क्रियात्मक रूप से प्रकाश में आयें।

लक्ष्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न *“संवेदनशील लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में रंगमंच कला क्रिया का विस्तार”* कि प्राप्ति के लिए निम्न लक्ष्यों की ओर बढ़ रही है जो की इस प्रकार हैं । विज़न के अनुरूप एक ऐसा रूप विषयक (मॉडल) सामुदायिक स्तर पर “बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम” का निर्माण आगामी 2020 तक करना चाहती है । संवेदनशील ,लोकतान्त्रिक और न्यायप्रिय समाज के निरंतर निर्माण के लिए जहां रंगमंच कला में निरंतर प्रयोग और उनका स्थापन होता रहेगा। इसके लिए भावी वर्तमान और आगंतुक पीढ़ियों के साथ इस प्रक्रिया का स्थापन हमें अतिआवश्यक महसुस होता रहा है । लक्ष्यों के कुछ निम्न बिन्दु इस प्रकार हैं:

- ❖ सामुदायिक स्तर पर “बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम” का निर्माण के लिए बंजर भू-खंड खोजना और स्थानीय अथवा राज्य स्तरीय प्रशासनों से चर्चा करना ।
- ❖ सामुदायिक स्तर पर “बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम” का निर्माण करना ।
- ❖ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहूद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम के निर्माण के लिए चर्चाएँ चलाना ।
- ❖ “बहुउद्देशीय सांस्कृतिक ग्राम” मॉडल के स्थापना के साथ ही साथ इसका सामुदायिक स्तर पर अन्य राज्यों में विस्तार करना ।

उद्देश्य

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न तक पहुँचने के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है । उसके लिए रंगमंच कला के क्षेत्र में निम्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्यरत है ।

- स्थानीय एवं अन्य राज्यीय कला एवं रंगकर्मियों तक पहुँचना ।
- अंतर्राष्ट्रीय रंगकर्मियों से निरंतर संवाद एवं अपने रंग-विधियों एवं विचारों पर साझा समझ बनाना ।
- नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाओं के तहत स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर रंगकर्मियों का निर्माण करना ।
- ज़्यादा से ज़्यादा दर्शकों तक पहुँचना और उनकी वैचारिक भागीदारी सुनिश्चित करना ।

कार्यनीतियां :

एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन अपने विज़न के लिए जो भी लक्ष्य रूपी मार्ग तैयार कर रहा है। उसके लिए रगमंच के क्षेत्र में उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निम्न कार्यनीतियों पर कार्यरत है :

- ❖ संस्था के नाट्य प्रक्रिया प्रस्तुतियों का निर्माण उभर रहे निर्देशकों के द्वारा
- ❖ नाट्य उत्सवों में भागीदारी
- ❖ नाट्य उत्सवों का आयोजन
- ❖ नाट्य प्रक्रिया कार्यशालाएँ
- ❖ दर्शक-अभिनेता संवाद
- ❖ रंगमंच एवं समाज पर स्थानीय वाकपीठों का आयोजन
- ❖ 'रंगमंच कला की अस्मिताएँ', 'रंग अभिनय और रंग अभिनेता के समकालीन परिदृश्य' मुद्दे पर चरणवार सम्मेलन

कार्यकारी सारांश -2016-17

बहुत ही हर्ष के साथ मैं आप सभी संस्था के सदयों, मित्रों एवं सहायता प्रदान करने वाले सहभागियों से वर्ष 2016-17 का कार्यकारी सारांश (एक्जिक्यूटिव समरी) साझा कर रहा हूँ। संस्था एक्सट्रा एन ऑर्गनाइज़ेशन (एक्सपेरिमेंटल थिएटर इन रियलिस्टिक एट्टीट्यूड) प्रति वर्ष के सामूहिक अनुभवों के साथ अपने विज़न की दिशा में लगातार अग्रसर रहा है।

वर्ष 2016- 17 के मुख्य उद्देश्यों जैसे कि अभिनय कला पर केन्द्रित विमर्श एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन विमर्शों एवं प्रस्तुति परक कार्यशालाओं में मुंशी प्रेमचंद कि कहानी ठाकुर का कुवां का निर्माण किया गया। इसी क्रम में संस्था के ही एक और नाट्य प्रस्तुति एकलव्य प्रदर्शन किया गया। जो की जय संहिता (महाभारत) के एकलव्य संदर्भ से प्रेरित है। यह दोनों नाट्य निर्माण इस वर्ष की नवीन नाट्य प्रस्तुतियाँ हैं जो वर्तमान सामाजिक पर्यावरण पर प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करती हैं एवं नाट्यकला और इसकी विषयवस्तु के समन्वय का एक धरातलीय उदाहरण दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने में एक सार्थक पहल करती हैं।

संस्था विगत 2013 से अपने स्थानीय विद्यालयों में समय-समय पर विद्यालय में शिक्षक और छात्रों के साथ समय –समय पर लघु एवं दीर्घ कार्यशालाओं का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष भी माह नवम्बर एवं दिसम्बर में स्थानीय तीन विद्यालयों में छात्रों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया।

देश में एक वैकल्पिक रंगमंच की धारा की दिशा में संस्था ने इस वर्ष तीन दिवसीय रंगमंच समारोह का आयोजन राजस्थान के बीकानेर में किया। इस समारोह में मुख्य रूप से बीकानेर, कोलकाता, जयपुर और संस्था के स्वयं के नाटकों का मंचन हुआ और दर्शकों से इन सभी नाट्य मंचनों पर प्रतिक्रिया वार्ता का भी आयोजन किया गया। यह समारोह संस्था के लिए एक नवीन अनुभवों के निर्माण का अवसर बना रहा। इन अनुभवों के आधार पर संस्था इस नाट्य समारोह 360 डिग्री संवाद का आयोजन आने वाले वर्षों में भी निरंतर आयोजित करने की योजना है।

संस्था इस वर्ष से अपने दर्शकों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ दस्तावेजों को गुणवततापूर्वक साझा करने लिए संस्था का वैबसाइट एवं पोर्टल साझा करने जा रही है। इससे संस्था के कार्यों और क्रियाओं को इंटरनेट के माध्यम से साझा करने में काफी सरलता होने का आशय लिया जा रहा।

इस वर्ष संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार से पाँच कलाकर्मियों एवं एक गुरु के बाबत बारह माह की सैलरी ग्रांट की सहायत प्राप्त हो पायी है । जिससे संस्था के कलाकर्मियों ने संस्था में और भी अधिक या कहे पूरे तौर पर समय देना आरंभ कर दिया है । इससे संस्था अपने उद्देश्यों के पथ पर सामूहिक यात्रा करने में सार्थकता महसूस कर रही है।

अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि इस वर्ष के इस प्रगति प्रतिवेदन पर अगर आपकी तरफ से कोई भी सुझाव या विचार हों तो संस्था तक अवश्य पहुंचाएँ। जिससे संस्था अपने भावी उद्देश्यों को साझे रूप से साझा सहमति से प्राप्त करने में सफल हो सके।

राजकुमार रजक
महा सचिव

एक्शन प्लान: 2016-17

वर्ष : 2016-17 –उद्देश्य

वर्ष 2016-17 में संस्था कला अनुसंधान एवं रंग शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी बुनियाद बनाने के लिए विमर्शों को आरंभ करेगी। इस दिशा में संस्था जिन क्रियान्वयनों को स्थापित करेगी वह निम्न हैं:

- 360° रंग संवाद (नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठी) का दो चरणों में आयोजन
- तीन प्रस्तुति परक कार्यशाला
- संस्था के सदस्यों की क्षमता वर्धन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण
- संगीत नाटक अकादमी द्वारा सहयोग प्रदान 'क़िस्सा –ए-वजूद' मीर सूफी परियोजना का योजना अनुसार क्रियान्वयन एवं इसका विस्तार करना तथा मीर पारंपरिक कहानियों पर नाट्य निर्माण।
- इलाहाबाद रंग इतिहास एवं परिदृश्य पर शोध आरंभ करना
- संस्था द्वारा गढ़े जा रहे अभिनय प्रक्रिया 'सिंबोलिक इंट्रेक्शन' पर दस्तावेज़ प्रसारित करना
- संस्था द्वारा दो लघु शोध छात्रवृति की घोषणा करने हेतु । संदर्भ संस्थानों से इसके लिए अनुभव अर्जन करना एवम निर्णय बनाना ।

अप्रैल – जून : 2016

नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठी का आयोजन : 360° रंग संवाद

सन् 2003 के पश्चात संस्था इस वर्ष से ‘360° रंग संवाद’ नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठी का तत्वावधानिक आयोजन करना आरंभ कर रही है। इस नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठियों का आधारिक उद्देश्यों में है कि ‘समाज और कला तथा रंग कला के आपसी रिश्तों एवं अन्तः क्रियाएं क्या हैं को समूहिक रूप से विमर्श में लाना, सामाजिक विकास में कला की प्रक्रियात्मक भूमिका के नित नए उपयोगों एवं प्रयोगों को मंच देना एवं साझा संस्कृति की दिशा में अग्रसार होना। इस वर्ष यह उत्सव एवं संगोष्ठी राजस्थान के बीकानेर जिले के टाउन हाल से आरंभ होगी। इस चरण के लिए संस्था ने बीकानेर की संस्था जन जागृति सांस्कृतिक मंच के साथ तत्वावधानिक प्रयास कर रहा है।

आयोजन तिथि : 1 – 4 अप्रैल , 2016
स्थान: टाउन हाल
प्रस्तुतियाँ : हल्लों ! मिस्टर परसाई (बीकानेर), नीली नैया (इलाहाबाद), दशानन (जयपुर), रुद्ध शोइशब (कोलकाता)
संगोष्ठी : समसामयिक रंग अभिनय शैलियाँ एवं अभिनेता, सांस्कृतिक साझेदारी और रंग अभिनेता, वर्तमान रंगमंच- अभिनय एवं अभिनेता संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ (खुला सत्र)
दस्तावेजीकरण : अप्रैल एवं मई
360° रंग संवाद के दूसरे चरण की तैयारी हेतु परियोजनाओं को संदर्भ सहायक संस्थानों से साझा करना :

अगस्त – सितंबर -2016

प्रस्तुति परक नाट्य निर्माण कार्यशाला

संस्था के कलकर्मियों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन होना तय हुआ है। इस कार्यशाला में...

- **मुंशी प्रेमचंद की कहानी’ ठाकुर का कुंवा’ का नाट्य रूपांतरण एवं वर्तमान संदर्भों के साथ जोड़ नाट्य निर्माण करना।**

प्रस्तुति स्थल: इलाहाबाद, कोलकाता, टोंक एवं बीकानेर राजस्थान

- **जय संहिता (महाभारत) से एकलव्य का संदर्भ से प्रभावित नाट्य निर्माण करना**

प्रस्तुति स्थल: इलाहाबाद, कोलकाता एवं टोंक राजस्थान

प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण : माह ओक्टोबर

नवंबर –दिसम्बर -2016

- **संस्था द्वारा कार्य किए जा रहे 'सिंबोलिक इंट्रेक्शन' पर नाट्य प्रस्तुति को दर्शकों से साझा करना ।**
  नाटक: आई एंड मी
  नाट्य निर्माण तिथि : 3 नवंबर – 28 दिसम्बर -2016
  प्रक्रिया दस्तावेज़ : 15 जनवरी -2017 तक
  प्रथम प्रस्तुति : संस्था के स्वयं के स्टुडियो प्रेक्षागृह में - इलाहाबाद

- **360° रंग संवाद (नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठी) के दूसरे चरण का आयोजन**
  आयोजन तिथि : 6 – 10 जनवरी -2017
  स्थान : इलाहाबाद
  प्रस्तुतियाँ एवं संगोष्ठी का मुद्दा : माह जून -2016 में तय किया जाना है

20 जनवरी – 24 फरवरी – 2017

- **संस्था का अधिकत्तम अन्य दो संस्थाओं के साथ तत्वावधानिक नाट्य निर्माण कार्यशाला एवं प्रस्तुति**
  स्थान : इलाहाबाद
  आयोजन तिथि : माह जून -2016 में तय किया जाना है ।

- **संस्था का वार्षिक बैठक एवम वार्षिक प्रगति तथा समीक्षा दस्तावेजीकरण**
  दिनांक: 26 फरवरी -2017
  स्थान : इलाहाबाद

मार्च -2017

- **मीर सूफी समुदाय में मीर परंपरा पर सामूहिक संवाद एवं बीकानेर के टाउन हाल में मीर सम्मेलन**
  दिनांक : 18 – 23 मार्च -2017
  आयोजन का स्थान : मीर सूफियों का ग्राम –पूगल , बीकानेर एवं टाउन हाल बीकानेर –राजस्थान

- **संस्था सदस्यों का 'नव रस' पर प्रशिक्षण एवं अभ्यास**
- **संस्था सदस्यों का सामाजिक मनोविज्ञान पर क्षमता वर्धन कार्यशाला**

2016 -17 में जो बेहतर क्रियान्वयन रहा...

1. **360 डिग्री रंग संवाद का बीकानेर, जयपुर, कोलकाता और संस्था के स्वयं के नाट्य प्रस्तुतियों के साथ इस समारोह का आयोजन**
2. **इस समारोह में मिर सूफी गायकों की सूफी-संगत कार्यक्रम का भी आयोजन हो पाना**
3. **दो नए नाटक ठाकुर का कुवां और एकलव्य का नाट्य निर्माण और प्रस्तुतियाँ**
4. **तीन अलग –अलग स्थानीय विद्यालयों में रंगमंच कार्यशाला एवं चारुकला कार्यशाला का आयोजन**
5. **संस्था के अभिनेताओं की सामाजिक विकास के विविध व्यावहारिक एवं निर्माणिक विचारधाराओं पर व्यापक समझा का बन पाना ।**
6. **संस्था के इलाहाबाद के स्वयं के रंग स्टुडियो का सौंदर्यीकरण आरंभ हो जाना एवं यहाँ नाट्य उपस्थापनाओं का भी आरंभ होना ।**
7. **संस्था का अन्य राज्यों में रंगकर्म के विस्तार को सृजनात्मक फोर्स देना व संस्था के कार्यों का स्वैच्छिक स्थान बन पाना खास कर टोंक –राजस्थान में और बीकानेर में।**

चुनौतियाँ 2016-17 :

संस्था इस वर्ष के योजना के अनुसार क्रियान्वयन को सफल बनाने में जिन चुनौतियों को महसूस कर पायी है कि...

1. संस्था के पाँच अभिनेताओं के अलावा स्वैच्छिक अभिनेताओं का अधिक समय न मिल पाना जिससे नाट्य प्रक्रियाओं का समय निर्धारित योजना से आगे बढ़ा।
2. संस्था में इस वर्ष कंसलटेंट निर्देशकों को आमंत्रित नहीं कर पाना ।
3. अभिनेताओं एवं अन्य सदस्यों का अभिनय संबन्धित शैक्षणिक एक्सपोजर का टूर ना बन पाना।
4. संस्था में फूल टाइम कलाकर्मियों की संख्या का कम होना।

लार्नीग्स :

वर्ष 2016-17 **में निम्न लर्निंग्स बनी है ...**

1) संस्था के कार्यों का विस्तृत दस्तावेज़ बनाना और इसको संस्था के स्थायी दर्शकों के साथ साझा करना। ताकि रंगसमूह के विचार एवं गतिविधियों से दर्शकों को लगातार अपडेट एवं क्रियान्वयन के साथ जोड़ा जा सकना।
2) संस्था नियमित रूप से नाट्य उपस्थापनाओं के इतर भी दर्शक संवाद मंचो को और भी अधिक क्रियाशील बना पाना।
3) विद्यालयों में होने वाले कार्यों को स्कूल समूह से मिलकर विद्यालय के कलेंडर में स्थान दिलवाना और इसकी निरंतरता को गुणवत्तापूर्ण आगे बढ़ाना।
4) स्कूल समूह के साथ ही साथ शिक्षक समूहों के साथ भी रंग कार्य करना जिससे शिक्षक इस विधा का अपने कार्य में उपयोग कर सकें।
5) स्थानीय दर्शकों की और सहायता कर्ताओं की सूची बनाना और रंग कार्यक्रमों की सूचना प्रेषित करना।

एक्शन प्लान 18- 2017 :

वर्ष 18-2017में संस्था कला अनुसंधान एवं रंग शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी बुनियाद बनाने के लिए विमर्शों को आरंभ करेगी। इस दिशा में संस्था जिन क्रियान्वयनों को स्थापित करेगी वह निम्न हैं :

1. 360° रंग संवाद (नाट्य उत्सव एवं संगोष्ठी) का दो चरणों में इलाहाबाद व बीकानेर में आयोजन
2. चार नए नाटकों और दो विगत वर्ष के नाटकों की प्रस्तुति परक कार्यशाला : टोंक जंक्शन, ठाकुर का कुवां (पुनः निर्माण), एकलव्य (पुनः निर्माण), स्वार्थ और मित्रता (क्षत्रिय नृत्यनाट्य), ईदगाह, छुक-छुक खेल,
3. इलाहाबाद में दो स्थानीय विद्यालयों में कहानी कहना और रंगमंच एवं अभिव्यक्ति प्रसार पर कार्यशाला
4. संस्था के सदस्यों की क्षमता वर्धन कार्यशाला एवं प्रशिक्षण
5. इलाहाबाद रंग इतिहास एवं परिदृश्य पर शोध आरंभ करना
6. संस्था द्वारा तैयार किए जा रहे अभिनय प्रक्रिया 'सिंबोलिक इंट्रेक्शन' पर दस्तावेज़ प्रसारित करना
7. संस्था द्वारा दो लघु शोध छात्रवृति की घोषणा करने हेतु। संदर्भ संस्थानों से इसके लिए अनुभव अर्जन करना एवं निर्णय बनाना।
8. इलाहाबाद में संस्था कार्यालय के पड़ोसी विद्यालयों में विगत वर्ष का फॉलो –अप चर्चा एवं नाट्य व कला कार्यशालाओं का आयोजन।
9. संस्था के कलाकारों के साथ ***नवरस*** के सैद्धांतिक पहलुओं पर साझा समझ बनाने के लिए एक मासीक कार्यशाला।
10. मांचोपयोगी रंगवस्तु के लिए कार्यशाला का आयोजन करना संस्था सदस्य और स्वैच्छिक कलाकारों के लिए।
11. इंडियन माइम संस्था कलकत्ता को एक्सट्रा एन ओर्गनाइज़ेशन संस्था के सदस्यों के लिए मुक अभिनय पर क्षमता संवर्धन हेतु प्रस्ताव देना।